प्रतिदर्श प्रश्नपत्र (2022-23)

हिंदी (ब) कोड संख्या 085

कक्षा - दसवीं

Sample Paper - 3

निर्धारित समय :3 घंटे **पूर्णांक :80**

सामान्य निर्देश :-

- इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं - खंड 'अ' और 'ब'।
- खंड 'अ' में उपप्रश्नों सहित 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।
- दोनों खंडों के कुल 18 प्रश्न हैं । दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (अपठित गद्यांश)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

भारत में हरित क्रांति का मुख्य उद्देश्य देश को खाद्यान्न मामले में आत्मनिर्भर बनाना था, लेकिन इस बात की आशंका किसी को नहीं थी कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का अंधाधुंध इस्तेमाल न सिर्फ खेतों में, बल्कि खेतों से बाहर मंडियों तक में होने लगेगा। विशेषज्ञों के मुताबिक रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का प्रयोग खाद्यान्न की गुणवत्ता के लिए सही नहीं है, लेकिन जिस रफ़्तार से देश की आबादी बढ़ रही है, उसके मद्देनज़र फ़सलों की अधिक पैदावार ज़रूरी थी। समस्या सिर्फ रासायनिक खादों के प्रयोग की ही नहीं है। देश के ज़्यादातर किसान परंपरागत कृषि से दूर होते जा रहे हैं। दो दशक पहले तक हर किसान के यहाँ गाय, बैल और भैंस खूटों से बँधे मिलते थे। अब इन मवेशियों की जगह ट्रैक्टर-ट्राली ने ले ली है। परिणामस्वरूप गोबर और घूरे की राख से बनी कंपोस्ट खाद खेतों में गिरनी बंद हो गई। पहले चैत-बैसाख में गेहूँ की फ़सल कटने के बाद किसान अपने खेतों में गोबर, राख और पत्तों से बनी जैविक खाद डालते थे। इससे न सिर्फ खेतों की उर्वरा-शक्ति बरकरार रहती थी, बल्कि इससे किसानों को आर्थिक लाभ के अलावा बेहतर गुणवत्ता वाली फसल मिलती थी।

(i) हमारे देश में हरित क्रांति का उद्देश्य क्या था?

क) देश को खाद्यान्न के क्षेत्र में परतंत्र बनाना
ख) देश को खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना
ग) देश को खाद्यान्न के क्षेत्र में उन्नत बनाना
घ) देश को खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भर न बनाना

(ii) खाद्यान्नों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए किनका प्रयोग सही नहीं था?

क) रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का
ख) रासायनिक उर्वरकों का

ग) कीटनाशकों का		घ) इनमें से कोई नहीं

(iii) विशेषज्ञ हरित क्रांति की सफलता के लिए क्या आवश्यक मानने लगे?

क) प्राकृतिक खाद का प्रयोग		ख) कृत्रिम खाद का प्रयोग

ग) जैविक खाद का प्रयोग		घ) रासायनिक खाद का प्रयोग

(iv) रासायनिक उर्वरक और कीटनाशक का प्रयोग क्यों आवश्यक हो गया?

क) हरित क्रांति के कारण		ख) घटती आबादी के कारण

ग) बढ़ती आबादी के कारण		घ) फसल के कारण

(v) गोबर की कम्पोस्ट खाद अब खेतों में नहीं पड़ती है क्योंकि-

i. किसान परम्परागत कृषि से दूर होते जा रहे हैं
ii. मवेशियों का स्थान ट्रेक्टर-ट्रोली ने ले लिया है
iii. कीटनाशकों का अधिकाधिक प्रयोग होने लगा है
iv. उर्वरा शक्ति बनी रहने के कारण

क) कथन i, ii व iii सही हैं		ख) कथन i, ii, iii व iv सही हैं

ग) कथन ii सही है		घ) कथन i, ii व iv सही हैं

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

चरित्र का मूल भी भावों के विशेष प्रकार के संगठन में ही समझना चाहिए। लोकरक्षा और लोकरंजन की सारी व्यवस्था का ढाँचा इन्हीं पर ठहरा है। धर्म-शासन, राज-शासन, मत-शासन सबमें इनसे पूरा काम लिया गया है। इनका सदुपयोग भी हुआ है और दुरुपयोग भी। जिस प्रकार लोक-कल्याण के व्यापक उद्देश्य की सिद्धि के लिए मनुष्य के मनोविकार काम में लाए गए हैं, उसी प्रकार संप्रदाय या संस्था के संकुचित और परिमित विधान की सफलता के लिए भी। सब प्रकार के शासन में चाहे धर्म-शासन हो, चाहे राज-शासन हो, मनुष्य-जाति से भय और लोभ से पूरा काम लिया गया है। दंड का भय और अनुग्रह का लोभ दिखाते हुए राज-शासन तथा नरक का भय और स्वर्ग का लोभ दिखाते हुए धर्म-शासन और मत-शासन चलते आ रहे हैं। प्रायः इसके द्वारा भय और लोभ का प्रवर्तन सीमा के बाहर भी हुआ है और होता रहता है। जिस प्रकार शासक वर्ग अपनी रक्षा और स्वार्थसिद्धि के लिए भी इनसे काम लेते आए हैं, उसी प्रकार धर्म-प्रवर्तक और आचार्य अपने स्वरूप वैचित्र्य की रक्षा और अपने प्रभाव की प्रतिष्ठा के लिए भी।

शासक वर्ग अपने अन्याय और अत्याचार के विरोध की शांति के लिए भी डराते और ललचाते आए हैं। मत-प्रवर्तक अपने द्वेष और संकुचित विचारों के प्रचार के लिए भी कँपाते और डराते आए हैं। एक जाति को मूर्ति-पूजा करते देख दूसरी जाति के मत-प्रवर्तकों ने उसे पापों में गिना है। एक संप्रदाय को भस्म और रुद्राक्ष धारण करते देख दूसरे संप्रदाय के प्रचारकों ने उनके दर्शन तक को पाप माना है।

(i) लोकरंजन की व्यवस्था का ढाँचा किस पर आधारित है?

क) सामाजिक न्याय पर

ख) मनुष्य के भावों के विशेष प्रकार के संगठन पर

ग) धर्म व्यवस्था के मत पर

घ) मनुष्य के समुचित क्रिया कर्म पर

(ii) धर्म-प्रवर्तकों ने स्वर्ग-नरक का भय और लोभ क्यों दिखाया है?

क) सभी विकल्प सही हैं

ख) धर्म के मार्ग पर चलने के लिए

ग) अन्याय के पथ पर चल रहे लोगों को सही मार्ग दिखाने के लिए

घ) अपने स्वरूप वैचित्र की रक्षा के लिए

(iii) शासन व्यवस्था किन कारणों से भय और लालच का सहारा लेती है?

क) उनके द्वारा किए गए अत्याचार के विरुद्ध आवाज न उठाने के लिए

ख) द्वेष और संकुचित विचारों के प्रचार को बनाए रखने के लिए

ग) अन्याय और अत्याचार के विरोध को रोकने के लिए

घ) सभी विकल्प सही हैं

(iv) किसी जाति विशेष के किन कार्यों को अन्य जाति अनिष्ट कार्य मानती है?

क) अन्य धर्म का सम्मान न करना

ख) भस्म या रुद्राक्ष धारण करना

ग) मूर्ति पूजा करना

घ) मूर्ति पूजा करना और भस्म या रुद्राक्ष धारण करना दोनों

(v) **कथन (A):** लोककल्यान के व्यापक उद्देश्य मनुष्य के मनोविकार से सिद्ध हुए हैं।
कारण (R): भय और लोभ दिखाते हुए राजशासन और धर्मशासन को सुचारू रूप से नहीं चलाया जा सकता।

क) (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।

ख) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

ग) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।

घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही असत्य हैं।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार 'पदबंध ' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) हम **<u>पढ़कर सो जाया करते हैं</u>**। रेखांकित वाक्य में कैसा पदबंध है?

क) संज्ञा पदबंध

ख) सर्वनाम पदबंध

ग) विशेषण पदबंध

घ) क्रिया पदबंध

(ii) **चोट खाए हुए तुम** भला क्या खेलोगे? रेखांकित पदबंध का नाम है-

क) संज्ञा पदबंध | ख) विशेषण पदबंध

ग) क्रिया विशेषण पदबंध | घ) सर्वनाम पदबंध

(iii) अध्यापक ने **गिरीश से पूछा क्या** वह गृहकार्य पूर्ण करके आया है? रेखांकित वाक्य में कैसा पदबंध है?

क) क्रिया पदबंध | ख) संज्ञा पदबंध

ग) सर्वनाम पदबंध | घ) विशेषण पदबंध

(iv) **पिछले सभी दिनों की अपेक्षा** आज गरमी अधिक है। रेखांकित वाक्य में कैसा पदबंध है?

क) विशेषण पदबंध | ख) क्रिया-विशेषण पदबंध

ग) सर्वनाम पदबंध | घ) संज्ञा पदबंध

(v) **क्रूर-से दिखनेवालों में कुछ** सज्जन भी हो सकते हैं। - रेखांकित पद में कैसा पदबंध है?

क) क्रिया पदबंध | ख) विशेषण पदबंध

ग) संज्ञा पदबंध | घ) सर्वनाम पदबंध

4. निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) 'शरण में आगत' समास विग्रह के लिए उचित समस्त पद और समास का नाम दिए गए विकल्पों में से चुनिए।

क) शरणागत - समस्त पद
अव्ययीभाव समास - समास का नाम

ख) शरणागत - समस्त पद
द्विगु समास - समास का नाम

ग) शरणागत - समस्त पद
कर्मधारय समास - समास का नाम

घ) शरणागत - समस्त पद
अधिकरण तत्पुरुष समास - समास का नाम

(ii) **आपादमस्तक** शब्द का उचित समास-विग्रह है-

क) पैर से मस्तक तक | ख) मुख से मस्तक तक

ग) हाथ से मस्तक तक | घ) आँख से मस्तक तक

(iii) समास का शाब्दिक अर्थ क्या होता है?

क) विग्रह | ख) विस्तार

ग) विच्छेद	घ) संक्षेप

(iv) **विद्याधन** में कौन-सा समास है?

क) अव्ययीभाव	ख) बहुव्रीहि

ग) कर्मधारय	घ) तत्पुरुष

(v) **चक्रधर** शब्द में कौन-सा समास है?

क) बहुव्रीहि	ख) कर्मधारय

ग) तत्पुरुष	घ) द्विगु

5. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) सरल वाक्य को संयुक्त वाक्य में अथवा संयुक्त वाक्य को मिश्र वाक्य में बदलने को कहते हैं-

क) वाक्य प्रक्रिया	ख) वाक्य रूपांतरण

ग) वाक्य निर्माण	घ) वाक्य संश्लेषण

(ii) **राम घर गया। उसने माँ को देखा।** का संयुक्त वाक्य बनेगा-

क) राम ने घर जाकर माँ को देखा	ख) जब राम घर गया तब उसने माँ को देखा

ग) राम घर गया और उसने माँ को देखा	घ) राम घर गया अतः उसने माँ को देखा

(iii) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है-

i. विपत्ति आती है तो अपने भी साथ छोड़ देते हैं।
ii. जैसे ही विपत्ति आई वैसे ही अपनों ने साथ छोड़ दिया।
iii. विपत्ति आई और अपने चले गए।
iv. विपत्ति और अपने आते-जाते रहते हैं।

क) विकल्प (iv)	ख) विकल्प (ii)

ग) विकल्प (iii)	घ) विकल्प (i)

(iv) विद्यालय में पढ़ाई बंद हो गई और हम घर लौट आए। (मिश्र वाक्य)

क) जैसे ही विद्यालय में पढ़ाई बंद होनी थी हमें घर लौट कर आना था।	ख) क्योंकि विद्यालय में पढ़ाई बंद हो गई थी तभी हम घर लौट आए।

ग) जब विद्यालय में पढ़ाई बंद हो	घ) इनमे से कोई नहीं

गई तब हम घर लौट आए।

(v) जो मेरे साथ रहेगा वह सद्‌गुण सीख जाएगा। (सरल वाक्य)

क) क्योंकि वह मेरे साथ रहता है इसलिए वह सद्‌गुण सीख गया।
ख) क्योंकि वह मेरे साथ रहता है इसलिए वह सद्‌गुण सीख जाएगा।
ग) जो मेरे साथ रहेगा वह सद्‌गुण सीख जाएगा।
घ) मेरे साथ रहने वाला सद्‌गुण सीख जाएगा।

6. निर्देशानुसार मुहावरे पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) अपने प्राणों की परवाह न करना

क) कोई विकल्प सही नहीं है
ख) सिर पर कपड़ा बाँधना
ग) सिर पर रुमाल बाँधना
घ) सिर पर कफ़न बाँधना

(ii) घबरा जाना

क) हाथ-मुँह फूल जाना
ख) हाथों में घबराहट होना
ग) शरीर में कोई बीमारी होना
घ) हाथ-पाँव फूल जाना

(iii) मैं पहले ही दुखी हूँ, तुम मेरा मज़ाक बनाकर मेरे __________ बंद करो।

क) घाव पर मिर्च लगाना
ख) घाव पर नमक छिड़कना
ग) घाव पर वार करना
घ) घाव पर चोट करना

(iv) भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम में शामिल होना कोई __________ नहीं है। रिक्तस्थान की पूर्ति सटीक मुहावरे से कीजिए।

क) बच्चों का खेल
ख) साँप सूँघना
ग) हाथ का मैल
घ) मिट्टी का माधो

(v) लालू काका ने __________ नहीं किए हैं, उन्हें बहुत अनुभव है। उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-

क) सूरज की गर्मी में बाल सफेद करना
ख) छाँव में बाल सफेद करना
ग) धूप में बाल सफेद करना
घ) मेहंदी लगा कर बाल सफेद करना

(vi) अंडे का शहजादा मुहावरे का अर्थ है-

क) चालाक व्यक्ति
ख) अनुभवहीन व्यक्ति

ग) अनुभवी व्यक्ति	घ) कमजोर व्यक्ति

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (काव्य खंड)

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए। **[2]**

(i) कबीर ने कैसे लोगों को सुखी बताया है?

क) जो ईश्वर की भक्ति करते हैं	ख) जो समाज की चिंता करते हैं

ग) जो धनवान हैं	घ) जो भोग-विलास में लिप्त हैं

(ii) मीरा अपने आपको किसकी दासी बताती है?

क) अपने पति भोजराज की	ख) सभी

ग) प्रभु श्रीराम की	घ) गिरधारी लाल की

8. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

ज़िंदा रहने के मौसम बहुत हैं मगर
जान देने की रुत रोज़ आती नहीं
हुस्न और इश्क दोनों को रुस्वा करे
वो जवानी जो खूँ में नहाती नहीं
आज धरती बनी है दुल्हन साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों

(i) **जान देने की रुत** किसे कहा गया है?

क) जान देने का समय	ख) इनमें से कोई नहीं

ग) मौत का समय	घ) देश की रक्षा के लिए प्राणों को न्यौछावर करने का समय

(ii) प्रस्तुत गीत में धरती की तुलना किससे की गई है?

क) माँ से	ख) बहन से

ग) दुल्हन से	घ) स्त्री से

(iii) **जवानी का खूँ में नहाने** से क्या आशय है?

क) जवानी में लड़ाई-झगड़ा करना	ख) देश की रक्षा करते हुए आत्म-बलिदान देना

ग) पड़ोसी से लड़ते हुए खून बहाना	घ) जवानी में खून का उबलना

(iv) प्रस्तुत पंक्तियाँ किस कविता से ली गई हैं?

क) आत्मत्राण	ख) पर्वत प्रदेश में पावस

ग) तोप　　　　　　　　　　घ) कर चले हम फ़िदा

(v) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए-

i. देश के लिए कुर्बानी देने का समय रोज आता है।

ii. कवि ने धरती को दुल्हन के रूप में चित्रित किया है।

iii. कवि जिंदा रहने की बात कर रहा है।

iv. कवि कहता है कि जवानी में बलिदान का भाव होना चाहिए।

v. कवि देश को सैनिकों के हवाले होने की बात कर रहा है।

पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए-

क) (i) और (iii)　　　　　　ख) (ii) और (iv)

ग) (ii), (iii), (iv)　　　　　घ) (iv) और (v)

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (गद्य खंड)

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए। **[2]**

(i) **तीसरी कसम** के लेखक ने व्यथा के विषय में क्या कहा है?

क) आगे नहीं बढ़ने देती　　　　ख) आगे बढ़ने का सन्देश देती है

ग) व्यथा हराती है　　　　　　घ) इनमें से कोई नहीं

(ii) लेखक रवीन्द्र केलेकर का जन्म कब हुआ?

क) 4 मार्च 1925 को　　　　ख) 7 मार्च 1925 को

ग) 4 मार्च 1926 को　　　　घ) 5 मार्च 1949 को

10. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

वे दिन में कई-कई बार आते-जाते हैं और क्यों न आएँ-जाएँ आखिर उनका भी घर है। लेकिन उनके आने-जाने से हमें परेशानी भी होती है। वे कभी किसी चीज को गिराकर तोड़ देते हैं। कभी मेरी लाइब्रेरी में घुसकर कबीर या मिर्जा गालिब को सताने लगते हैं। इस रोज-रोज की परेशानी से तंग आकर मेरी पत्नी ने उस जगह जहाँ उनका आशियाना था, एक जाली लगा दी है, उनके बच्चों को दूसरी जगह कर दिया है। उनके आने की खिड़की को भी बंद किया जाने लगा है। खिड़की के बाहर अब दोनों कबूतर रात-भर खामोश और उदास बैठे रहते हैं।

(i) **वे दिन में कई-कई बार आते-जाते हैं** इस कथन में लेखक किसकी तरफ संकेत कर रहा है?

क) अपने मित्रों की ओर　　　　ख) कबूतरों की ओर

ग) अपनी पत्नी की ओर　　　　घ) इनमें से कोई नहीं

(ii) लेखक के घर में कबूतर दिन में कई बार किस कारण आते थे?

क) अपने अंडों के कारण

ख) लेखक की माता के स्नेह के कारण

ग) अपने अधिकार के कारण

घ) लेखक से घनिष्ठ प्रेम के कारण

(iii) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।
कथन (A): लेखक की पत्नी ने कबूतरों के लिए खिड़की खोल दी थी।
कारण (R): कबूतर कभी-कभी कबीर या ग़ालिब को भी सताया करते थे।

क) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

ख) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

ग) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।

(iv) कबूतरों ने लेखक के लिए कौन-सी परेशानी खड़ी कर दी?

क) चीजें गिराकर तोड़ दीं

ख) पुस्तकालय की किताबें गंदी कर दीं और चीजें गिराकर तोड़ दीं

ग) पुस्तकालय की किताबें गंदी कर दीं

घ) भोजन खा गए

(v) खिड़की पर जाली लग जाने के कारण अब दोनों कबूतर कहाँ बैठते हैं?

क) घरं की छत पर

ख) खिड़की के बाहर

ग) घर के अंदर

घ) घर के बाहर एक पेड़ पर

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (पाठ्य पुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए: **[6]**

(i) छोटे भाई ने बड़े भाई साहब के नरम व्यवहार का क्या फ़ायदा उठाया? 'बड़े भाई साहब' पाठ के आधार पर लिखिए।

(ii) कारतूस पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि जाँबाज़ वज़ीर अली के जीवन का लक्ष्य अंग्रेज़ों को इस देश से बाहर करना था।

(iii) जुलूस और प्रदर्शन को रोकने के लिए पुलिस का क्या प्रबंध था? 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर लिखिए |

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए: **[6]**

(i) विरासत में मिली चीज़ों की बड़ी सँभाल क्यों होती है? **तोप** कविता के आधार पर स्पष्ट करते हुए तोप की विशेषताएँ भी लिखिए।

(ii)

आत्मत्राण कविता में कवि की प्रार्थना से क्या संदेश मिलता है? अपने शब्दों में लिखिए।

(iii) वर्षा-ऋतु में पर्वतीय प्राकृतिक सुषमा का वर्णन सुमित्रानंदन पंत की कविता के आधार पर कीजिए।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए: **[6]**

(i) पारिवारिक संबंधों में आई खटास ने हरिहर काका को अपने ही घर में पराया बना दिया। इससे उनके जीवन में आए सकारात्मक एवं नकारात्मक परिवर्तनों को रेखांकित कीजिए।

(ii) सपनों के-से दिन पाठ के आधार पर बताइए कि विद्यार्थियों में जीवन मूल्यों के विकास हेतु शिक्षा व्यवस्था में किस प्रकार के सुधार की आवश्यकता है?

(iii) टोपी शुक्ला पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि मित्रता को मज़हब की दीवारों में कैद नहीं किया जा सकता।

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (लेखन)

14. किसी बस में वारदात कर भाग रहे अपराधी को संवाहक द्वारा पकड़कर पुलिस को सौंपने की घटना के विवरण की जानकारी देते हुए परिवहन विभाग के प्रबंधक को पत्र लिखकर उसे पुरस्कृत करने का अनुरोध कीजिए। **[5]**

अथवा

आपके मुहल्ले में सफाई कर्मचारी नियमित रूप से नहीं आते हैं। इरादे जगह-जगह कूड़े के ढेर लग गए हैं। सफाई की अव्यवस्था की ओर ध्यान दिलाने हेतु सफाई अधिकारी को पत्र लिखिए।

15. **मेरा प्रिय खिलाड़ी** विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

अथवा

शारीरिक शिक्षा और योग विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- शारीरिक शिक्षा का अर्थ एवं महत्त्व
- शारीरिक शिक्षा और योग
- प्रभाव और अच्छे परिणाम

अथवा

स्वास्थ्य की रक्षा विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- आवश्यकता
- पोषक भोजन
- लाभकारी सुझाव

16. आपके पिताजी अपनी पुरानी कार बेचना चाहते हैं। इसके लिए पूरा विवरण देते हुए एक विज्ञापन तैयार कीजिए। **[3]**

अथवा

अपनी पुरानी पुस्तकें गरीब विद्यार्थियों में निःशुल्क वितरण करने के लिए एक विज्ञापन लिखिए।

17. **वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे** विषय पर एक लघुकथा लिखिए। **[5]**

अथवा

ट्यूशन टीचर की आवश्यकता हेतु एक ईमेल लिखिए।

18. आप अपने विद्यालय में सांस्कृतिक सचिव हैं। विद्यालय में होने वाली **कविता-प्रतियोगिता** में भाग लेने के लिए आमंत्रण हेतु एक सूचना तैयार कीजिए। **[4]**

अथवा

कोलकाता के मैजेस्टिक क्लब द्वारा एक मेगा चैरिटी शो उन लोगों के लिए भवन निर्माण हेतु रखा गया है, जो गलियों में रहते हैं। इस कार्यक्रम में भाग लेने वालों के लिए सचिव की तरफ से 20-25 शब्दों में सूचना लिखिए।

Solution

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (अपठित गद्यांश)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
भारत में हरित क्रांति का मुख्य उद्देश्य देश को खाद्यान्न मामले में आत्मनिर्भर बनाना था, लेकिन इस बात की आशंका किसी को नहीं थी कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का अंधाधुंध इस्तेमाल न सिर्फ खेतों में, बल्कि खेतों से बाहर मंडियों तक में होने लगेगा। विशेषज्ञों के मुताबिक रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का प्रयोग खाद्यान्न की गुणवत्ता के लिए सही नहीं है, लेकिन जिस रफ़्तार से देश की आबादी बढ़ रही है, उसके मद्देनज़र फ़सलों की अधिक पैदावार ज़रूरी थी। समस्या सिर्फ रासायनिक खादों के प्रयोग की ही नहीं है। देश के ज़्यादातर किसान परंपरागत कृषि से दूर होते जा रहे हैं। दो दशक पहले तक हर किसान के यहाँ गाय, बैल और भैंस खूटों से बँधे मिलते थे। अब इन मवेशियों की जगह ट्रैक्टर-ट्राली ने ले ली है। परिणामस्वरूप गोबर और घूरे की राख से बनी कंपोस्ट खाद खेतों में गिरनी बंद हो गई। पहले चैत-बैसाख में गेहूँ की फ़सल कटने के बाद किसान अपने खेतों में गोबर, राख और पत्तों से बनी जैविक खाद डालते थे। इससे न सिर्फ खेतों की उर्वरा-शक्ति बरकरार रहती थी, बल्कि इससे किसानों को आर्थिक लाभ के अलावा बेहतर गुणवत्ता वाली फसल मिलती थी।

(i) **(ग)** देश को खाद्यान्न के क्षेत्र में उन्नत बनाना
व्याख्या: देश को खाद्यान्न के क्षेत्र में उन्नत बनाना
(ii)**(क)** रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का
व्याख्या: रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का
(iii)**(घ)** रासायनिक खाद का प्रयोग
व्याख्या: रासायनिक खाद का प्रयोग
(iv)**(ग)** बढ़ती आबादी के कारण
व्याख्या: बढ़ती आबादी के कारण
(v)**(क)** कथन i, ii व iii सही हैं
व्याख्या: कथन i, ii व iii सही हैं

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
चरित्र का मूल भी भावों के विशेष प्रकार के संगठन में ही समझना चाहिए। लोकरक्षा और लोकरंजन की सारी व्यवस्था का ढाँचा इन्हीं पर ठहरा है। धर्म-शासन, राज-शासन, मत-शासन सबमें इनसे पूरा काम लिया गया है। इनका सदुपयोग भी हुआ है और दुरुपयोग भी। जिस प्रकार लोक-कल्याण के व्यापक उद्देश्य की सिद्धि के लिए मनुष्य के मनोविकार काम में लाए गए हैं, उसी प्रकार संप्रदाय या संस्था के संकुचित और परिमित विधान की सफलता के लिए भी। सब प्रकार के शासन में चाहे धर्म-शासन हो, चाहे राज-शासन हो, मनुष्य-जाति से भय और लोभ से पूरा काम लिया गया है।
दंड का भय और अनुग्रह का लोभ दिखाते हुए राज-शासन तथा नरक का भय और स्वर्ग का लोभ दिखाते हुए धर्म-शासन और मत-शासन चलते आ रहे हैं। प्रायः इसके द्वारा भय और लोभ का प्रवर्तन सीमा के बाहर भी हुआ है और होता रहता है। जिस प्रकार शासक वर्ग अपनी रक्षा और स्वार्थसिद्धि के लिए भी इनसे काम लेते आए हैं, उसी प्रकार धर्म-प्रवर्तक और आचार्य अपने स्वरूप वैचित्र्य की रक्षा और अपने प्रभाव की प्रतिष्ठा के लिए भी।
शासक वर्ग अपने अन्याय और अत्याचार के विरोध की शांति के लिए भी डराते और ललचाते

आए हैं। मत-प्रवर्तक अपने द्वेष और संकुचित विचारों के प्रचार के लिए भी कँपाते और डराते आए हैं। एक जाति को मूर्ति-पूजा करते देख दूसरी जाति के मत-प्रवर्तकों ने उसे पापों में गिना है। एक संप्रदाय को भस्म और रुद्राक्ष धारण करते देख दूसरे संप्रदाय के प्रचारकों ने उनके दर्शन तक को पाप माना है।

(i) **(ख)** मनुष्य के भावों के विशेष प्रकार के संगठन पर
व्याख्या: प्रस्तुत गद्यांश की आरंभिक पंक्ति में स्पष्ट किया गया है कि लोकरंजन की व्यवस्था का ढाँचा मनुष्य के भावों के विशेष प्रकार के संगठन पर आधारित है।
(ii)**(घ)** अपने स्वरूप वैचित्र की रक्षा के लिए
व्याख्या: गद्यांश के अनुसार धर्म-प्रवर्तकों ने स्वर्ग-नरक का भय इसलिए दिखाया है, जिससे वह अपने स्वरूप वैचित्र्य की रक्षा और अपने प्रभाव की प्रतिष्ठा को बनाए रख सकें। साथ ही उनके स्वार्थों की पूर्ति भी होते रहे।
(iii)**(घ)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या: गद्यांश के आधार पर कह सकते हैं कि शासन व्यवस्था कई कारणों से भय और लालच का सहारा लेती है, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं-अन्याय और अत्याचार के विरोध को रोकने के लिए, द्वेष और संकुचित विचारों के प्रचार को बनाए रखने के लिए तथा उनके द्वारा किए गए अत्याचार के विरुद्ध आवाज न उठाने के लिए।
(iv)**(घ)** मूर्ति पूजा करना और भस्म या रुद्राक्ष धारण करना दोनों
व्याख्या: गद्यांश में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि किसी जाति विशेष को मूर्ति पूजा करते देखना तथा भस्म या रुद्राक्ष धारण करना अन्य जातियों के प्रवर्तकों के लिए अनिष्ट कार्य है।
(v)**(ख)** (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
व्याख्या: (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार 'पदबंध ' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(घ)** क्रिया पदबंध
व्याख्या: क्रिया पदबंध
(ii)**(घ)** सर्वनाम पदबंध
व्याख्या: सर्वनाम पदबंध
(iii)**(ग)** सर्वनाम पदबंध
व्याख्या: सर्वनाम पदबंध
(iv)**(ख)** क्रिया-विशेषण पदबंध
व्याख्या: क्रिया-विशेषण पदबंध
(v)**(घ)** सर्वनाम पदबंध
व्याख्या: सर्वनाम पदबंध

4. निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(घ)** शरणागत - समस्त पद
अधिकरण तत्पुरुष समास - समास का नाम

व्याख्या: 'शरणागत' शब्द में 'में' अधिकरण कारक के कारक चिह्न का प्रयोग होने के कारण यहाँ अधिकरण तत्पुरुष समास है।

(ii)**(क)** पैर से मस्तक तक

व्याख्या: आपादमस्तक में तत्पुरुष समास है।

(iii)**(घ)** संक्षेप

व्याख्या: समास में शब्दों को संक्षेप यानि छोटा किया जाता है।

(iv)**(ग)** कर्मधारय

व्याख्या: कर्मधारय

(v)**(क)** बहुव्रीहि

व्याख्या: बहुव्रीहि

5. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ख)** वाक्य रूपांतरण

व्याख्या: वाक्य रूपांतरण

(ii)**(ग)** राम घर गया और उसने माँ को देखा

व्याख्या: राम घर गया और उसने माँ को देखा

(iii)**(ख)** विकल्प (ii)

व्याख्या: जैसे ही विपत्ति आई वैसे ही अपनों ने साथ छोड़ दिया।

(iv)**(ग)** जब विद्यालय में पढ़ाई बंद हो गई तब हम घर लौट आए।

व्याख्या: जब विद्यालय में पढ़ाई बंद हो गई तब हम घर लौट आए।

(v)**(घ)** मेरे साथ रहने वाला सद्गुण सीख जाएगा।

व्याख्या: मेरे साथ रहने वाला सद्गुण सीख जाएगा।

6. निर्देशानुसार मुहावरे पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(घ)** सिर पर कफ़न बाँधना

व्याख्या: सिर पर कफ़न बाँधना - सीमा पर फौज़ी सिर पर कफ़न बाँध कर शत्रुओं का सामना करते हैं।

(ii)**(घ)** हाथ-पाँव फूल जाना

व्याख्या: हाथ-पाँव फूल जाना - कारखाने में लगी आग देखकर सभी के हाथ-पाँव फूल गए।

(iii)**(ख)** घाव पर नमक छिड़कना

व्याख्या: घाव पर नमक छिड़कना - दुखी को और दुखी करना

(iv)**(क)** बच्चों का खेल

व्याख्या: बच्चों का खेल

(v)**(ग)** धूप में बाल सफेद करना

व्याख्या: धूप में बाल सफेद करना

(vi)**(ख)** अनुभवहीन व्यक्ति

व्याख्या: अनुभवहीन व्यक्ति

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (काव्य खंड)

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(i) **(घ)** जो भोग-विलास में लिप्त हैं
व्याख्या: जो भोग-विलास में लिप्त हैं, कबीर ने उन्हें सुखी बताया है।
(ii)**(घ)** गिरधारी लाल की
व्याख्या: मीरा स्वयं को गिरधारी लाल (कृष्ण) की दासी बताती है।

8. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
ज़िंदा रहने के मौसम बहुत हैं मगर
जान देने की रुत रोज़ आती नहीं
हुस्न और इश्क दोनों को रुस्वा करे
वो जवानी जो खूँ में नहाती नहीं
आज धरती बनी है दुल्हन साथियो
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों

(i) **(घ)** देश की रक्षा के लिए प्राणों को न्यौछावर करने का समय
व्याख्या: देश की रक्षा के लिए प्राणों को न्योछावर करने का समय।
(ii)**(ग)** दुल्हन से
व्याख्या: दुल्हन से
(iii)**(ख)** देश की रक्षा करते हुए आत्म-बलिदान देना
व्याख्या: देश की रक्षा करते हुए आत्म-बलिदान देना।
(iv)**(घ)** कर चले हम फ़िदा
व्याख्या: कर चले हम फ़िदा
(v)**(ख)** (ii) और (iv)
व्याख्या: कवि ने धरती को दुल्हन के रूप में चित्रित किया है और कवि कहता है कि जवानी में बलिदान की भावना होनी चाहिए।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (गद्य खंड)

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(i) **(ख)** आगे बढ़ने का सन्देश देती है
व्याख्या: आगे बढ़ने का सन्देश देती है
(ii)**(ख)** 7 मार्च 1925 को
व्याख्या: लेखक रवीन्द्र केलेकर का जन्म 7 मार्च 1925 को हुआ।

10. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
वे दिन में कई-कई बार आते-जाते हैं और क्यों न आएँ-जाएँ आखिर उनका भी घर है। लेकिन उनके आने-जाने से हमें परेशानी भी होती है। वे कभी किसी चीज को गिराकर तोड़ देते हैं। कभी मेरी लाइब्रेरी में घुसकर कबीर या मिर्जा गालिब को सताने लगते हैं। इस रोज-रोज की परेशानी से तंग आकर मेरी पत्नी ने उस जगह जहाँ उनका आशियाना था, एक जाली लगा दी है, उनके बच्चों को दूसरी जगह कर दिया है। उनके आने की खिड़की को भी बंद किया जाने लगा है। खिड़की के बाहर अब दोनों कबूतर रात-भर खामोश और उदास बैठे रहते हैं।

(i) **(ख)** कबूतरों की ओर
व्याख्या: कबूतरों की ओर

(ii)**(क)** अपने अंडों के कारण
व्याख्या: अपने अंडों के कारण
(iii)**(ग)** कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।
व्याख्या: कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।
(iv)**(ख)** पुस्तकालय की किताबें गंदी कर दीं और चीजें गिराकर तोड़ दीं
व्याख्या: पुस्तकालय की किताबें गंदी कर दीं और चीजें गिराकर तोड़ दीं
(v)**(ख)** खिड़की के बाहर
व्याख्या: खिड़की के बाहर

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (पाठ्य पुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) पाठ के अनुसार छोटे भाई ने बड़े भाई साहब के नरम व्यवहार का फ़ायदा उठाते हुए पढ़ाई-लिखाई को बिलकुल छोड़ दिया।और उसके बाद वह बड़े भाई से छिपकर खेल खेलने और पतंगबाजी में मशगुल हो गया।उसे विश्वास हो गया कि वह पढ़े न पढ़े पास हो जाएगा।

(ii)''कारतूस' पाठ का उद्देश्य जाँबाज़ वजीर अली की वीरता एवं साहस को सबके सामने लाना है। वज़ीर अली के जीवन का लक्ष्य ही अंग्रेजों को देश से बाहर करने का बन गया था । वस्तुतः जाँबाज़ वज़ीर अली समय के साथ-साथ इस तथ्य से परिचित हो गया कि ब्रिटिश शासन किसी भी दृष्टि से भारत एवं भारतवासियों के लिए लाभप्रद नहीं है। वह अपनी पाँच महीने की हुकूमत में ही अवध के दरबार को अंग्रेज़ी प्रभाव से बिलकुल पाक कर देने में तकरीबन कामयाब हो गया था। वह अफ़गानिस्तान के बादशाह शाहे -ज़मा को हिंदुस्तान में ब्रिटिश शासकों पर आक्रमण करने का निमंत्रण देता है। वह अंग्रेज़ी हुकूमत के खिलाफ़ लगातार संघर्ष करता है। उसने कंपनी के वकील का भी कत्ल कर दिया। उसकी योजना यही थी कि वह अपनी शक्ति बढ़ाकर अंग्रेज़ों को भारत से निकाल बाहर करे। इसके लिए वह अलग-अलग राजाओं से मिलकर प्रयास कर रहा था। उसने अपनी वीरता या जाँबाज़ी से अंग्रेज़ों के मन में एक खौफ पैदा कर दिया था।

(iii)पुलिस ने जुलूस और प्रदर्शन को रोकने के लिए अनेक प्रबंध किए थे। सबसे पहले नोटिस निकाल कर यह चेतावनी दी गई थी कि कोई भी जुलूस ना निकाले अन्यथा उसे गिरफ्तार किया जाएगा। 26 जनवरी के दिन पुलिस ने हर मैदान को घेर रखा था। पुलिस की कमी न हो इसके लिए ट्रैफ़िक पुलिस को को भी बंदोबस्त में लगाया गया था
शहर के हर मोड़ पर गोरखे, घुड़सवार तथा सार्जेंट की ड्यूटी लगाई गई थी। दिन-रात पुलिस लारी में घूम-घूमकर कानून व्यवस्था को बनाए रखने में लगी हुई थी। ।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) विरासत में मिली चीजों की सुरक्षा बड़ी सँभालकर इसलिए होती है क्योंकि वह पूर्वजों और बीते समय की देन होती है, उनका अपना महत्त्व और इतिहास होता है। इनसे हमें प्राचीन इतिहास की जानकारी मिलती हैं। 1857 की तोप जो कम्पनी बाग के प्रवेश द्वार पर स्थित है वह अंग्रेजों द्वारा हमें विरासत में सौंपी गई थी, जिसकी सँभाल भी की जाती है। यह वर्ष में दो बार चमकाई जाती है अर्थात इसका प्रयोग दो बार ही किया जाता है। इस तोप ने अच्छे-अच्छे वीर योद्धाओं के चिथड़े-चिथड़े उड़ा दिए थे। यह अपने समय में बहुत जबर थी। ब्रिटिश काल में अंग्रेजों द्वारा भारतीय स्वतंत्रता के वीर सेनानियों को इस तोप से बाँधकर उड़ा दिया जाता था।

(ii)'आत्मत्राण' कविता के माध्यम से कवि मानव मात्र को संदेश देना चाहता है कि हमें ईश्वर से दुःखों से छुटकारा पाने की प्रार्थना करने के बजाए उन दुखों को सहन करने की तथा उनका सामना करने की शक्ति माँगनी चाहिए। मनुष्य को कभी भी विषम परिस्थितियों को देखकर घबराना नहीं चाहिए, बल्कि अगर हानि भी उठानी पड़े तो मन में रोष नहीं करना चाहिए।कवि ईश्वर से संकट के समय भय निवारण करने की शक्ति प्रदान करने को कहता है। कविता के माध्यम से कवि आशावादी दृष्टिकोण अपनाने का संदेश देता है, साथ ही यह भी सीख देता है कि मनुष्य को सुख के क्षणों में भी ईश्वर को नहीं भूलना चाहिए, उसे याद करके उसके समक्ष विनय भाव प्रकट करना चाहिए। उससे निडरता, शक्ति और आस्था का वरदान लेना चाहिए। अगर दुख में कोई सहायक न मिले तो भी मनुष्य को अपना बल-पौरुष नहीं डगमगाना चाहिए तथा ऐसी स्थिति में भी प्रभु पर से विश्वास कम नहीं होना चाहिए,और प्रभु से संकट को झेलने की क्षमता माँगनी चाहिए।

(iii)प्रस्तुत कविता 'पर्वत प्रदेश में पावस' प्रकृति के सुकुमार कवि सुमित्रानंदन पंत द्वारा रचित है। इस कविता में कवि ने पर्वतीय प्रदेश में वर्षाकाल में क्षण-क्षण होने वाले परिवर्तनों व अलौकिक दृश्यों का बड़ा सजीव चित्रण किया है। कवि कहता है कि महाकार पर्वत मानो अपने ही विशाल रूप को अपने चरणों में स्थित बड़े-बड़े तालाबों में अपने हजारों सुमनरूपी नेत्रों से निहार रहे हैं। बहते हुए झरने दर्शकों की नस-नस में उमंग व उल्लास भर रहे हैं। पर्वतों के सीनों को फाड़कर उच्चाकांक्षाओं से युक्त ऊँचे-ऊँचे वृक्ष मानो बाहर आए हैं और अपलक व शान्त भाव से आकाश को निहार रहे हैं। फिर अचानक ही पर्वत मानो बादल रूपी यान के परों को फड़फड़ाते हुए उड़ गए हैं। कभी-कभी तो ऐसा भी मालूम होता है कि मानो धरती पर आकाश टूट पड़ा हो और उसके भय से विशाल शाल के पेड़ जमीन में धँस गए हों। तालों से उठती भाप ऐसी जान पड़ती है मानो उनमें आग लग गई हो और धुआँ उठ रहा हो। कवि कहता है कि यह सब देखकर लगता है कि जैसे इन्द्र ही अपने इन्द्रजाल से खेल रहा है।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i)

सकारात्मक एवं नकारात्मक परिवर्तन निम्न प्रकार हैं-

1. पारिवारिक संबंधों में आई खटास के कारण हरिहर काका अपने ही घर में अपमानित एवं उपेक्षित हो गए थे, उन्हें ऐसा लगने लगा था जैसे सामर्थ्यवान होते हुए भी उनका अकारण तिरस्कार किया जा रहा है। निश्चित रूप से निजी संबंधों के प्रति घृणा का भाव काका के जीवन में भाइयों के प्रति प्रेम को कम करता है। यह स्थिति सकारात्मक इस अर्थ में कही जा सकती है, क्योंकि इसके कारण ही काका को संबंधों की सच्चाई का ज्ञान हो जाता है। हरिहर काका की पत्नी की मृत्यु के उपरांत भी काका को अपने भाइयों से लगाव था और उनके साथ ही रहते थे जब उनके भाइयों की पत्नियों ने उनसे बदसलूकी की तब भी वे सेहन करते हुए उन्ही के पास रहे जिससे यह समझ में आता है की वे पारिवारिक प्रवृत्ति के आदमी थे और अपने भाइयों के साथ ही रहना चाहते थे
2. कहानी में वर्णित दूसरा प्रसंग हरिहर काका के जीवन को पूरी तरह बदल डालता है, जब उनके भाई उन्हें वापस घर लाकर संपत्ति अपने नाम करवाने के लिए उन पर दबाव डालते है तथा उनकी हत्या करने का प्रयास करते हैं। इससे हरिहर काका अकेलेपन के शिकार हो जाते हैं, लेकिन परिवार और समाज का सत्य एकदम नग्न रूप में उनकी आँखों के सामने आ जाता है। हरिहर काका देख चुके थे की जीतेजी अपनी संपत्ति देने वालों की क्या दशा हुई थी वे अनपढ़ जरूर थे पर उन्हें दुनियादारी की समझ थी वे समझ गए थे की

उनके परिवार वाले उनकी देखभाल सिर्फ तभी तक करेंगे जबतक उनके पास उनकी ज़मीन थी वरना उनको घर से निकाल देते अगर ज़मीन उनके भाइयों के नाम होती तो

(ii)विद्यार्थियों में जीवन मूल्यों के विकास हेतु हमें अपनी शिक्षा प्रणाली को बदलना होगा। वर्षों से प्रचलित परंपरावादी शिक्षा प्रणाली के स्थान पर कुछ प्रयोगवादी शिक्षा को इस प्रणाली में लाना चाहिए। इसमे बच्चों को शारीरिक दंड न देकर कोई और कार्य दंडस्वरूप बच्चों को दिया जाए।

नए प्रणाली में विद्यार्थी शिक्षा का केंद्र बिन्दु और शिक्षक मार्गदर्शक के रूप में होने चाहिए। उनकी समस्याओं के समाधान के लिए शिक्षाकों को उनके साथ एक मित्र जैसा संबंध रखना चाहिए। अतः यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि हम अपनी शिक्षा प्रणाली में कुछ मूलभूत सुधार कर के पूरी शिक्षा व्यवस्था में बदलाव कर के उसको और बेहतर बना सकते हैं ।

(iii)टोपी शुक्ला हिन्दू था और इफ्फ़न मुसलमान। दोनों के ही परिवार धर्म को लेकर अत्यंत संवेदनशील थे। फिर भी दोनों बच्चों के बीच घनिष्ट मित्रता थी। दोनों एक-दूसरे के बिना अधूरे थे। टोपी इफ्फ़न के घर जाता था। इफ्फ़न की दादी से उसे विशेष लगाव हो गया था। जिस प्यार और अपनेपन को वह अपने घर में ढूँढ़ा करता था, वह उसे इफ्फ़न के घर में दादी के साथ में मिलता। दोनों मित्र एक-दूसरे के सुख-दुःख के साथी थे। एक के बिना दूसरे को चैन नहीं मिलता था। दोनों दोस्तों ने अपनी दोस्ती से यह सिद्ध कर दिया था कि मित्रता की भावना को मज़हब व जाति की दीवारों में कैद नहीं किया जा सकता। लेखक के विचार में मानव मानव है वह हिन्दू - मुस्लमान बाद में है। उनके विचार में हिन्दू - मुस्लिम भाई - भाई कहने से क्या फर्क पड़ता है। क्या कभी हम अपने बड़े या छोटे भाई से कहते हैं की हम भाई भाई हैं? विचार मिलने की बात है विचार मिलें तो अलग -अलग मज़हब व जाती वाले भी भाई हैं नहीं मिले तो भाई भी भाई नहीं हैं।

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (लेखन)

14. सेवा में,
प्रबन्धक महोदय,
परिवहन विभाग,
511- ए, रिंग रोड,
नई दिल्ली।
दिनांक : ....
विषय- संवाहक को पुरस्कृत करने के सन्दर्भ में।
महोदय,
मैं दिनांक 12 मई को द्वारका मोड़ से 764 रूट की बस नं. DL-IP-7486 में प्रातः काल 8:30 बजे चढ़ा। बस में काफी भीड़ थी। अतः मैं पीछे ही खड़ा था। बस मुनिरका पहुँची थी कि आठ-दस लोगों की भीड़ पीछे से चढ़ी और तभी मेरी जेब से मेरा पर्स गायब हो गया। मैंने शोर मचाया, तो एक व्यक्ति बस से कूदकर भाग निकला। कंडक्टर श्री रमेश ने बस रुकवाई और उसके पीछे भाग लिया। उस व्यक्ति ने चाकू दिखाया, मगर इससे रमेश बिल्कुल घबराया नहीं। उसने उसे धर दबोचा तथा उसे पुलिस के हवाले कर दिया। मेरा पर्स सही सलामत मुझे वापस मिल गया। मैंने उसे सौ रुपये पुरस्कार स्वरूप देने चाहे, मगर उसने सधन्यवाद लौटा दिए। ऐसे कर्तव्यनिष्ठ एवं साहसी कर्मचारी कम ही देखने को मिलते हैं, जो अपनी जान जोखिम में डालकर दूसरों की सहायता करते हैं। अतः आपसे निवेदन है कि परिवहन विभाग के श्री रमेश जिनका बैज न. 56960 है, को सम्मानित व पुरस्कृत करके अन्य कर्मचारियों के समक्ष उदाहरण प्रस्तुत करें।

भवदीय,
गौरव
391, द्वारका,
नई दिल्ली।

अथवा

A-756
हरी पार्क, रिठाला, दिल्ली।
27 फरवरी, 2019
स्वास्थ्य अधिकारी महोदय,
सिविल लाइंस क्षेत्र (दि.न.नि.)
16 राजपुर रोड, दिल्ली।
विषय- क्षेत्र में सफाई की अव्यवस्था के संबंध में
मान्यवर,
मैं आपका ध्यान अपनी कॉलोनी हरी पार्क की सफाई की बदहाल स्थिति की ओर आकर्षित कराना चाहता हूँ। यहाँ जगह-जगह पर कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। गत सप्ताह साफ की गई नालियों का कीचड़ सूखकर सड़क पर फैला हुआ है। यहाँ सफाई कर्मचारी सप्ताह में एकाध बार आते हैं। वे जल्दी जाने के चक्कर में अपना काम आधा-अधूरा छोड़ जाते हैं। समय से कूड़े के ढेर नहीं उठाए जाते हैं। नियमित सफाई न होने के कारण नालियों का पानी सड़क पर बदबू मार रहा है। मच्छर और मक्खियों की अधिकता के कारण क्षेत्र में बीमारी फैलने की संभावना बढ़ गई है। अतः आपसे विनम्र प्रार्थना है कि इस क्षेत्र में सफाई कर्मचारियों को नियमित रूप से भेजकर सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित कराने की कृपा करें। हम क्षेत्रवासी आपके आभारी रहेंगे।
धन्यवाद सहित।
भवदीय,
गिरीश कुमार

15. मेरा प्रिय खिलाड़ी क्रिकेट की दुनिया का जादूर व बादशाह सचिन तेन्दुलकर है। वे क्रिकेट के विश्व प्रसिद्ध खिलाड़ी हैं। प्रत्येक खिलाड़ी उनके समान खेलने व बनने के स्वप्न देखता है। सचिन ने जब क्रिकेट की दुनिया में कदम रखा उस समय वह सबसे कम उम्र के खिलाड़ी थे। जब वह मैदान पर होते थे तो सभी दर्शकों की निगाहें उन्हीं पर टिकी रहती थी। उनके खेलने के अंदाज को देखकर सभी दाँतों तले अपनी अँगुलियाँ दबा लेते थे। खेल के विपरीत परिस्थितियों में होने पर भी वह अपना संयम नहीं खोते थे और सामान्य होकर खेल को खेलते थे। विपक्षी खिलाड़ियों में सदैव ही उन्हें आउटट करने की होड़ लगी रहती थी। उन्होंने कई शतक और अर्द्धशतक बनाए थे। उनके खेलने के तरीके की प्रशंसा केवल उनके साथी खिलाड़ी ही नहीं वरन् अन्य देशों के खिलाड़ी भी करते थे। उनकी कप्तानी में भारत ने कई मैच भी जीते हैं।
इस प्रकार सचिन मेरे प्रिय खिलाड़ी हैं और मैं सदैव उनके जैसा खेलने का प्रयास करता हूँ। यद्यपि मैं जानता हूँ कि इसके लिए अत्यधिक परिश्रम की आवश्यकता है, किन्तु मैं परिश्रम से पीछे नहीं हटूँगा और भविष्य में उनके जैसा खिलाड़ी अवश्य बनूँगा।

अथवा

शारीरिक शिक्षा और योग

शारीरिक शिक्षा का तात्पर्य ऐसी शिक्षा से है, जिसमें शारीरिक गतिविधियों के द्वारा शरीर को स्वस्थ रखने की कला सिखाई जाती है। शारीरिक विकास के साथ-साथ इससे व्यक्ति का मानसिक, सामाजिक एवं भावनात्मक विकास भी होता है। शारीरिक शिक्षा में योग का स्थान बहुत महत्त्वपूर्ण है। इसका उद्देश्य शरीर, मन एवं आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करना होता है। स्वस्थ शरीर में एक स्वस्थ मन रखने के लिए, हर एक व्यक्ति को नियमित शारीरिक व्यायाम की

आवश्यकता होती है। यह मन को शांत एवं स्थिर रखता है, तनाव को दूर कर सोचने की क्षमता, आत्मविश्वास एवं एकाग्रता को बढ़ाता है। नियमित रूप से योग करने से शरीर स्वस्थ तो रहता ही है, साथ ही यदि कोई रोग है तो इसके द्वारा उसका उपचार भी किया जा सकता है।
कुछ रोगों में तो दवा से अधिक लाभ योग करने से होता है। तमाम शोधों से यह प्रमाणित हो चुका है कि योग संपूर्ण जीवन की चिकित्सा पद्धति है। पश्चिमी देशों में भी योग के प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ रहा है और लोग तेज़ी से इसे अपना रहे हैं। योग की बढ़ती लोकप्रियता एवं महत्त्व का ही प्रमाण है कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी योग का समर्थन करते हुए 21 जून को योग दिवस घोषित कर दिया है।
शारीरिक शिक्षा आधुनिक शिक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। वर्तमान परिवेश में योग न सिर्फ हमारे लिए लाभकारी है, बल्कि विश्व के बढ़ते प्रदूषण एवं मानवीय व्यस्तताओं से उपजी समस्याओं के निवारण में इसकी सार्थकता और भी बढ़ गई है। यही कारण है कि धीरे-धीरे ही सही, आज पूरी दुनिया योग की शरण ले रही है।

अथवा

स्वास्थ्य की रक्षा

वर्तमान समय में प्रत्येक मनुष्य की जीवन-शैली इतनी भागदौड़ से भर गई है कि वे अपने स्वास्थ्य की रक्षा कर पाने में असमर्थ हो चुके हैं। जहाँ पहले के समय में व्यक्ति की औसत आयु 75 वर्ष थी, वह आज घटकर 60 वर्ष हो गई है। स्वास्थ्य की रक्षा बहुत ही आवश्यक है। खराब स्वास्थ्य के साथ व्यक्ति कोई भी कार्य उचित तौर-तरीके से नहीं कर पाता है। प्रत्येक व्यक्ति को आधारभूत वस्तुओं का संचय करने के लिए स्वस्थ रहने की आवश्यकता है। कहा जाता है स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास होता है, इसीलिए स्वास्थ्य की रक्षा हमारे लिए आवश्यक है।
स्वास्थ्य की रक्षा के लिए पोषक भोजन लेना अति आवश्यक है।
हरी सब्जियाँ, दूध, दही, फल आदि का सेवन हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हुए हमारे स्वास्थ्य की रक्षा करता है। आजकल जंकफूड और फास्ट फूड का प्रचलन अपने चरम पर है। इसकी चपेट में लाखों लोग आ चुके हैं। और इसी कारण वे अपना स्वास्थ्य खराब कर चुके हैं। आजकल के बच्चों को मोटापा, सुस्ती व भिन्न-भिन्न प्रकार की बीमारियों ने जकड़ लिया है। हमें जंक फूड एवं फास्ट-फूड से दूरी बनाते हुए पौष्टिक आहार लेने चाहिए, जिससे हम अपने स्वास्थ्य की रक्षा करते हुए, अपने और दूसरों के जीवन को खुशियाँ प्रदान कर सकें। सभी को अपने भोजन में मांसपेशियों और उत्तकों को सबल बनाने के लिए प्रोटीन, ऊर्जा या शक्ति प्रदान करने के लिए कार्बोहाइड्रेट और वसा, मजबूत हड्डियों और रक्त के विकास के लिए खनिज लवण और स्वस्थ जीवन एवं शारीरिक विकास के लिए विटामिन आदि आवश्यक सभी तत्व डालने चाहिए।

सेल सेल सेल

बिल्कुल नई जैसी, जैसे शोरूम से निकली हो, सेकेंड हैंड कार

(आपके सपनों की कार)

मॉडल-2012

रंग-चैरी, क्षमता- 1100 CC

पॉवर स्टियरिंग, सिंगल हैंड ड्राइवेन

कीमत- ₹ 1,40,000/-, एवरेज- 30 किमी/प्रति घंटा अभी आइए, ले जाइए और साथ में

16. एक उपहार भी पाइए।
संपर्क करें-आदित्य रॉय, शालीमार बाग, दिल्ली-011 मोबाइल नं. - ...

अथवा

निःशुल्क पुस्तक वितरण

जिन विद्यार्थियों को कक्षा नौ व दस की पुस्तकों की आवश्यकता है व जो विद्यार्थी पुस्तकें नहीं खरीद पा रहे हैं वे निम्न पते पर आकर पुस्तकें प्राप्त कर सकते हैं।
पुस्तकें निःशुल्क दी जाएँगी।
इच्छुक विद्यार्थी ही संपर्क करें।

9858XXXX
उन्नामेद मोहल्ला, लाजपत नगर

17. एक बार मैं और मेरा दोस्त राजेश समुद्र के पास बैठे थे। यद्यपि राजेश मुझसे उम्र में काफी बड़ा था परन्तु हम दोनों में गहरी मित्रता थी। हर रविवार को छुट्टी के दिन हम समुद्र तट पर जाते और कुछ देर तैरते। राजेश ठीक-ठाक तैर लेता था जबकि मैं गहरे पानी में तैरना अभी नहीं सीख पाया था। तभी हमने एक लड़का जिसकी उम्र लगभग नौ वर्ष थी, को बार-बार पानी के पास जाते और फिर डरकर वापस आते देखा। उसे देख हमें हँसी आ गयी। फिर हम वहाँ से उठकर भेलपूरी लेने चले गये। लौटकर आये तो देखा एक आदमी किनारे खड़ा 'बचाओ-बचाओ' चिल्ला रहा था। समुद्र की तरफ देखने पर पता चला कि यह वही बालक है जिसे हमने थोड़ी देर पहले समुद्र के पास खेलते देखा था। मुझे गहरे पानी में तैरने का अनुभव न था लेकिन तभी राजेश ने अपनी कमीज उतार कर पानी में छलांग लगा दी। तब तक काफी भीड़ भी इकट्ठी हो गयी। हमने फोन कर एंबुलेंस भी मँगवा ली, लेकिन राजेश और वह लड़का कहीं दिखाई नहीं दे रहा थे। अनिष्टा की शंका से मेरा दिल जोर से धड़कने लगा तभी हमने उन्हें किनारे की तरफ आते देखा। वह बच्चा सही सलामत था, लेकिन राजेश किनारे तक पहुँचते-पहुँचते बेहोश हो गया। तुरन्त हम उसे अस्पताल ले गये। कुछ देर बाद राजेश को होश आ गया। राजेश को होश में देख मेरी जान में जान आ गयी। तब तक राजेश व मेरे माता-पिता भी वहाँ पहुँच गये थे। सारी बात जानकर सबने राजेश की प्रशंसा की कि उसने अपनी जान जोखिम में डालकर उस बच्चे की मदद की। सच ही कहा है-"वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।"
सीख- वास्तव में वही मनुष्य है जो दूसरों की संकट में सहायता करे अतः हमें भी परोपकार को अपने जीवन का लक्ष्य बनाना चाहिए।

अथवा

From : priya15@gmail.com
To : govi@tutorial.com
CC ...
BCC ...
विषय - ट्यूशन टीचर की आवश्यकता हेतु जानकारी
महोदय,
मैं प्रिया कुमारी दसवीं कक्षा की विद्यार्थी हूँ। मुझे जानकारी प्राप्त हुई कि आप विभिन्न विषयों की ट्यूशन की जानकारी उपलब्ध कराते हैं। मुझे अपने लिए एक गणित विषय की ट्यूशन की आवश्यकता है।
आपसे अनुरोध है कि मुझे गणित विषय का ट्यूशन उपलब्ध कराने में सहायता करें।
धन्यवाद
प्रिया कुमारी

डी.पी.एस. विद्यालय
रमेश नगर, मथुरा, उ.प्र.

सूचना

कविता वाचन प्रतियोगिता के संदर्भ में

दिनांक ....

विद्यालय के समस्त छात्र व छात्राओं को सूचित किया जाता है कि विद्यालय में होने वाली 'कविता प्रतियोगिता' में जो विद्यार्थी भाग लेना चाहते हैं वे एक सप्ताह के अंदर दिनांक -25-03-20.... तक अपने कक्षाध्यापक के पास नामांकन करा दें।

आज्ञा से,
सांस्कृतिक सचिव
डी.पी.एस. विद्यालय
18. मथुरा

अथवा

मैजेस्टिक क्लब, कोलकाता

सूचना

मेगा चैरिटी शो

30 मार्च, 2019

जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि क्लब द्वारा 02 अप्रैल 2019 को क्लब के ओडीटोरियम में एक मेगा चैरिटी शो के आयोजन का निर्णय लिया गया है। इसका आयोजन प्रातः 10 बजे होगा। यह गली में रहने वाले लोगों के लिए है। जो इस शो में हिस्सा लेना चाहते हैं, वे अपने सुझावों के साथ अपना नाम 5 दिनों के अंदर सचिव को दे सकते हैं।

(सचिव)